# जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 105
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 25 जनवरी, 2023

## अधिक मटर उत्पादन के बारे में दी जानकारी

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत बीते दिन मंगलवार को ग्राम सहतावनपुरवा में मटर की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान द्वारा मटर के महत्व तथा अधिक उत्पादन के लिए समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में जानकारी दी गई। वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा मटर की नवीनतम एवं अधिक उत्पादन देने वाली रोग प्रतिरोधक सहनशील प्रजातियों के बारे में चर्चा की। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सिंह ने दलहनी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों तथा उनके नियंत्रण के बारे में बताया। डॉ.भानु प्रताप सिंह ने प्रक्षेत्र दिवस के उद्देश्यों के बारे में चर्चा की। पूर्व वैज्ञानिक डॉ. हरीश चंद्र सिंह ने प्रदेश में दलहन उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के बारे में एवं उसकी तकनीकों के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर लगभग 50 से अधिक किसान मौजूद रहे।

राष्ट्रीय
# सहारा

कानपुर • बुधवार • 25 जनवरी • 2023

# ीएसए में विकसित ट्राइकोडर्मा ्पादन प्रोटोकाल को मिला पेटेंट

ुर (एसएनबी)। जैविक खेती में कीटों ंत्रण के लिए सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी में विकसित किये गये ट्राइकोडर्मा उत्पादन ाल को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने अनुमोदित किया है। इससे विवि में हर्ष का ा है। पेटेंट से विभिन्न फसलों में जैविक ाशक इस दवा के उपयोग को और वढ़ावा ।।

नभी तक ट्राइकोडर्मा के उत्पादन में टैलकम : का उपयोग किया जाता था। इससे उसकी लाइफ कम होती थी। इस पर सीएसए के रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ.मुकेश तव के साथ यतिन्द्र श्रीवास्तव, मो.शाहिद, ा त्रिवेदी व अनुराधा सिंह ने ट्राइकोडर्मा पर क्शन ऑफ प्योर ट्राइकोडर्मा स्पोरसविद ज्ड सेल्फ लाइफ' नामक तकनीक के कार पर पेटेंट प्राप्त किया है। इस तकनीक कोडर्म की सेल्फ लाइफ दो साल तक हो । साथ ही पहले जहां प्रति हेक्टेयर ₹ 160 मूल्य आता था, वहीं नई तकनीक से लागत केवल ₹ 60 आ रहा है। इस पेटेंट के लिए 016 में ही आवेदन किया गया था। विस्तृत ा के वाद अव प्रेट को ग्रांट किया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ.एसके विश्वास ने कहा कि इस नई तकनीक के उपयोग से अधिक से अधिक ट्राइकोडर्मा का उत्पादन संभव हो सकेगा व विषाक्त रहित कृषि उत्पादन में मदद मिलेगी। विवि प्रवक्ता विभागाध्यक्ष डॉ.एसके विश्वास, डॉ.खलील खान, निदेशक शोध डॉ.विजय कुमार यादव ने संयुक्त निदेशक शोध डॉ.राजीव को इस उत्पादन तकनीकी के व्यावसायीकरण हेतु विभिन्न कंपनियों से अनुवंध करने के निर्देश दिये हैं। शीघ्र ही विवि भी वृहद स्तर पर इसका उत्पादन शुरू करेगा।

**किसानों को किया जागरूक :** कानपुर (एसएनवी)। सीएसए के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राम सहतावनपुरवा में मंगलवार को मटर की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने मटर के महत्व, अधिक उत्पादन के लिए समन्वित पोषक तत्व प्रवंधन व मिट्टी परीक्षण के वारे में किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार, डॉ.अजय कुमार, डॉ.भानु प्रताप व डॉ. हरिश्चन्द्र सिंह ने दलहन उत्पादन, उत्पादकता व तकनीकों की विस्तृत जानकारी किसानों को दी।

राष्ट्रीय
# सहारा

कानपुर • बुधवार • 25 जनवरी • 2023

# ीएसए में विकसित ट्राइकोडर्मा ्पादन प्रोटोकाल को मिला पेटेंट

ुर (एसएनबी)। जैविक खेती में कीटों ंत्रण के लिए सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी में विकसित किये गये ट्राइकोडर्मा उत्पादन ाल को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने अनुमोदित किया है। इससे विवि में हर्ष का ा है। पेटेंट से विभिन्न फसलों में जैविक ाशक इस दवा के उपयोग को और वढ़ावा ।।

नभी तक ट्राइकोडर्मा के उत्पादन में टैलकम : का उपयोग किया जाता था। इससे उसकी लाइफ कम होती थी। इस पर सीएसए के रोग विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ.मुकेश तव के साथ यतिन्द्र श्रीवास्तव, मो.शाहिद, ा त्रिवेदी व अनुराधा सिंह ने ट्राइकोडर्मा पर क्शन ऑफ प्योर ट्राइकोडर्मा स्पोरसविद ज्ड सेल्फ लाइफ' नामक तकनीक के कार पर पेटेंट प्राप्त किया है। इस तकनीक कोडर्म की सेल्फ लाइफ दो साल तक हो । साथ ही पहले जहां प्रति हेक्टेयर ₹ 160 मूल्य आता था, वहीं नई तकनीक से लागत केवल ₹ 60 आ रहा है। इस पेटेंट के लिए 016 में ही आवेदन किया गया था। विस्तृत ा के वाद अव प्रेट को ग्रांट किया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ.एसके विश्वास ने कहा कि इस नई तकनीक के उपयोग से अधिक से अधिक ट्राइकोडर्मा का उत्पादन संभव हो सकेगा व विषाक्त रहित कृषि उत्पादन में मदद मिलेगी। विवि प्रवक्ता विभागाध्यक्ष डॉ.एसके विश्वास, डॉ.खलील खान, निदेशक शोध डॉ.विजय कुमार यादव ने संयुक्त निदेशक शोध डॉ.राजीव को इस उत्पादन तकनीकी के व्यावसायीकरण हेतु विभिन्न कंपनियों से अनुवंध करने के निर्देश दिये हैं। शीघ्र ही विवि भी वृहद स्तर पर इसका उत्पादन शुरू करेगा।

**किसानों को किया जागरूक :** कानपुर (एसएनवी)। सीएसए के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राम सहतावनपुरवा में मंगलवार को मटर की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने मटर के महत्व, अधिक उत्पादन के लिए समन्वित पोषक तत्व प्रवंधन व मिट्टी परीक्षण के वारे में किसानों को जागरूक किया। वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार, डॉ.अजय कुमार, डॉ.भानु प्रताप व डॉ. हरिश्चन्द्र सिंह ने दलहन उत्पादन, उत्पादकता व तकनीकों की विस्तृत जानकारी किसानों को दी।

दैनिक जागरण कानपुर 25/01/2023

# पौधों को निरोगी करने वाले ट्राइकोडर्मा की बढ़ी उम्र

जागरण संवाददाता, कानपुर: जैविक रोग नियंत्रक फफूंद ट्राइकोडर्मा की उम्र बढ़ा कर दोगुणा करने में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञानियों को सफलता मिली है। ट्राइकोडर्मा के अनुसंधानित नए रूप का पेटेंट भी विश्वविद्यालय को मिल गया है। ट्राइकोडर्मा किसानों को अब पहले के मुकाबले आधे से भी कम दाम में मिल सकेगा और वजन भी एक किलो के बजाय चार ग्राम तक सीमित हो गया है। इसे दो साल तक प्रयोग में लाया जा सकेगा।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पादप रोग विभाग की जैव नियंत्रण प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने महज एक साल तक प्रभावी रहने वाले ट्राइकोडर्मा की आयु बढ़ाकर दो साल कर दी है। ट्राइकोडर्मा का प्रयोग गन्ना, कपास, धान, दलहन, तिलहन, सब्जी फसलों, केला, मिर्च, नींबू, चाय, काफी, रबड़, फूलों और मसाले की खेती में किया जाता है। इसके प्रयोग से फसल में लगने वाले कीट का असर कम हो जाता है। लगातार तीन साल प्रयोग के बाद फसलों में कीट का हमला नहीं होता।

**20 साल के लिए जारी किया प्रमाण पत्र नियंत्रक ने, सीएसए को मिला पेटेंट**

सीएसए के शोध निदेशक प्रो. विजय कुमार यादव (दाएं) साथ में कृषि विज्ञानी यतीन्द्र श्रीवास्तव ● जागरण

### 10 ग्राम से एक हेक्टेयर सुरक्षित

कृषि विज्ञानी ने बताया कि ट्राइकोडर्मा का प्रयोग बीज, पौधे और भूमि को शुद्ध करने में होता है। विश्वविद्यालय से इसे 127 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा जाता है। एक हेक्टेयर में ढाई किलो का प्रयोग होता है लेकिन नए रूप में तैयार ट्राइकोडर्मा को महज 10 ग्राम ही प्रयोग करना होगा। चार ग्राम की कीमत 60 रुपये है।

### इस टीम ने किया शोध

जैव नियंत्रण प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों मुकेश श्रीवास्तव, यतीन्द्र कुमार श्रीवास्तव, शुभ्रा त्रिवेदी, अनुराधा सिंह और मो. शाहिद ने ट्राइकोडर्मा के नए रूप के विकास पर कार्य किया है।

भारत सरकार के बौद्धिक संपदा पेटेंट कार्यालय से ट्राइकोडर्मा की बढ़ी हुई उपभोग अवधि अनुसंधान का पेटेंट प्रमाण पत्र सीएसए के लिए जारी किया गया है। अगले बीस साल के लिए पेटेंट मिला है। सीएसए विज्ञानियों के लिए यह गौरव की बात है। सीएसए को मिला यह दूसरा पेटेंट है।

**प्रो. विजय कुमार यादव,** निदेशक शोध, सीएसए

**कम आयु थी समस्या :** ट्राइकोडर्मा की अचल आयु यानी उत्पादन के बाद खराब होने की तिथि महज एक साल थी। इससे उत्पाद के तैयार होने और किसान के पास तक पहुंचकर प्रयोग होने में समस्या आ रही थी। इससे ट्राइकोडर्मा का बड़े पैमाने पर उपयोग नहीं हो पा रहा था।

**कैसे करता है काम :** ट्राइकोडर्मा परजीविता, प्रतिजैविकता और प्रतिस्पर्धा तीन स्तर पर काम करता है। इसका प्रयोग भूमि, बीज और पौधों को कीट मुक्त करने में किया जाता है। ट्राइकोडर्मा को जैविक खाद यानी गोबर खाद के साथ मिलाकर खेत की मिट्टी में मिलाया जाता है। यह पौधों के रोगग्रस्त होने पर रोग फैलाने वाले जीव के शरीर में चिपकर उसे नष्ट कर देता है।

अमर उजाला कानपुर 25/01/2023

# ट्राइकोडर्मा मिलाया तो बढ़ गई ज्वार की उम्र

**कानपुर।** खेती में फसलों को कीट से बचाने के लिए काम आने वाली जैविक फफूंदी और कीटनाशक ट्राइकोडर्मा की उम्र अब दो साल होगी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के पादप रोग विभाग के वैज्ञानिकों ने ट्राइकोडर्मा को ज्वार के बीज में मिलाकर उसकी उम्र बढ़ा दी है। अभी तक इसको टेलकम पाउडर में मिलाकर उपयोग किया जाता था, जिससे इसकी उम्र छह से आठ महीने थी।

निदेशक शोध डॉ. विजय यादव ने बताया कि विवि की लैब में ट्राइकोडर्मा को ज्वार के बीजों के साथ मिलाया गया। शोध से मिले परिणाम में पाया गया कि टेलकम पाउडर की अपेक्षा ज्वार के बीज में ट्राइकोडर्मा को भोजन मिलने लगा और वह दो साल तक प्रभावी रहा। साथ ही इसका एक हेक्टेयर में आने वाला खर्च 160 रुपये से घटकर 60 हो गया। कहा कि केंद्र सरकार के पेटेंट कार्यालय ने सीएसए की प्रोडक्शन ऑफ प्योर ट्राइकोडर्मा स्पोर्स विथ इंक्रीज्ड सेल्स लाइफ नाम की तकनीक को पेटेंट किया है। (संवाद)

रहस्य संदेश
RNI. NO. UPHIN/2007/20715
– 25, एटा से प्रकाशित, बुधवार, 25 जनवरी, 2023 पृष्ठः 8

# मटर फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

(अनवर अशरफ )। कानपुर (रहस्य संदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राम सहतावनपुरवा में मटर की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान द्वारा मटर का महत्व तथा अधिक उत्पादन के लिए समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा मटर की नवीनतम एवं अधिक उत्पादन देने वाली रोग प्रतिरोधक सहनशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने दलहनी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों तथा उनके नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस

मंगलवार 24 जनवरी, 2023 | अंक - 370

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DA

# मटर फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

**कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राम सहतावनपुरवा में मटर की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान द्वारा मटर का महत्व तथा अधिक उत्पादन के लिए समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा मटर की नवीनतम एवं अधिक उत्पादन देने वाली रोग प्रतिरोधक सहनशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने दलहनी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों तथा उनके नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने प्रक्षेत्र दिवस के उद्देश्यों के बारे में चर्चा की। जबकि पूर्व वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने प्रदेश में दलहन उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के बारे में एवं उसकी तकनीकों के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर लगभग 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

# मटर फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

कानपुर, 24 जनवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राम सहतावनपुरवा में मटर की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान द्वारा मटर का महत्व तथा अधिक उत्पादन के लिए समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा मटर की नवीनतम एवं अधिक उत्पादन देने वाली रोग प्रतिरोधक सहनशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने दलहनी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों तथा उनके नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने प्रक्षेत्र दिवस के उद्देश्यों के बारे में चर्चा की। जबकि पूर्व वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने प्रदेश में दलहन उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के बारे में एवं उसकी तकनीकों के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर लगभग 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

वर्ष 17 अंक 25 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 25 जनवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

# नगर छाया

आप की आवाज़.....

## मटर फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का हुआ आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के दलहन अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत ग्राम सहतावनपुरवा में मटर की फसल पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान द्वारा मटर का महत्व तथा अधिक उत्पादन के लिए समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन एवं मिट्टी परीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने पौध प्रजनन द्वारा मटर की नवीनतम एवं अधिक उत्पादन देने वाली रोग प्रतिरोधक सहनशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने दलहनी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोगों तथा उनके नियंत्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने प्रक्षेत्र दिवस के उद्देश्यों के बारे में चर्चा की। जबकि पूर्व वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने प्रदेश में दलहन उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के बारे में एवं उसकी तकनीकों के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर लगभग 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

हिंदुस्तान कानपुर 25/012023

# ट्राइकोडर्मा की नई तकनीक को पेटेंट

कानपुर। जैविक फफूंदी और कीटनाशक ट्राइकोडर्मा की उम्र अब दो साल होगी। सीएसए के वैज्ञानिकों ने ज्वार में मिलाकर इसकी उम्र बढ़ा दी। सीएसए की प्रोडक्शन ऑफ प्योर ट्राइकोडर्मा स्पोर्स विथ इंक्रीज्ड सेल्स लाइफ नाम से इस तकनीक को पेटेंट मिला है। विवि के निदेशक शोध डॉ. विजय यादव ने बताया कि लैब में ट्राइकोडर्मा को ज्वार के बीजों के साथ मिलाया गया।